श्री श्री औनियाती सात्रा वैष्णव मठ

प्रलिम्सि के लयि:

श्री श्री औनियाती सात्रा वैष्णव मठ, माजुली द्वीप, असमयिा वैष्णववाद, भक्ति आंदोलन, आर्द्रभूमि।

मेन्स के लयि:

श्री श्री औनियाती सात्रा वैष्णव मठ, भारतीय समाज की मुख्य वशिषताएँ।

स्रोत:द हिंदू

चर्चा में क्यों?

श्री श्री औनियाती सात्रा असम के माजुली ज़िले में 350 वर्ष से अधिक पुराना वैष्णव मठ है।

श्री श्री औनियाती सात्रा वैष्णव मठ के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **स्थापना:**
  - श्री श्री औनियाती सात्रा की स्थापना वर्ष 1653 में असम के माजुली में की गई थी। इसका इतिहास **350 वर्षों से भी अधिक पुराना** है, जो इसे इस क्षेत्र के सबसे पुराने सात्रों में से एक बनाता है।
    - सात्रा **असमयिा वैष्णववाद का एक संस्थागत केंद्र** है, जो एक भक्ति आंदोलन है जो **15वीं शताब्दी** में उभरा था।
  - सात्रा माजुली में स्थित है, जो दुनिया का सबसे बड़ा बसा हुआ नदी द्वीप है। माजुली भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर स्थित है।
- **धार्मिक महत्त्व:**
  - सात्रा असमयिा वैष्णववाद का केंद्र है, एक भक्ति आंदोलन जो भगवान कृष्ण की पूजा के इर्द-गिर्द ही रहता है।
  - ऐसा कहा जाता है कि **गोविंदा के रूप में भगवान कृष्ण** की मूल मूर्ति पुरी के भगवान जगन्नाथ मंदिर से लाई गई थी।
- **सांस्कृतिक विरासत:**
  - **औनियाती सात्रा** जैसे वैष्णव मठ न केवल पूजा स्थल हैं बल्कि पारंपरिक कला रूपों, साहित्य और सांस्कृतिक प्रथाओं के संरक्षण के केंद्र भी हैं। ये **सात्रा क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और बनाए रखने** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
  - वैष्णव सात्रा परंपरागत रूप से सीखने और आध्यात्मिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में कार्य करते हैं। **भिक्षु और शिष्य धार्मिक अध्ययन, ध्यान तथा सामुदायिक सेवा में संलग्न** हैं।
- **भाओना और पारंपरिक कला रूप:**
  - **भाओना, एक पारंपरिक कला रूप** है, जिसका **अभ्यास सात्रा में** किया जाता है। यह **अभिनय, संगीत तथा संगीत वाद्ययंत्रों का एक संयोजन** है।
  - **भाओना एक महत्त्वपूर्ण प्रदर्शन** कला है जिसका **उद्देश्य मनोरंजन के माध्यम से ग्रामीणों को धार्मिक संदेश** देना है।
  - मुख्य नाटक आमतौर पर गायन-बयान नामक एक संगीत प्रदर्शन से पहले होता है।

माजुली द्वीप से जुड़े मुख्य तथ्य क्या हैं?

- माजुली भारत के पूर्वोत्तर राज्य **असम में ब्रह्मपुत्र नदी में स्थित** एक नदी द्वीप है। इसे **दुनिया के सबसे बड़े नदी द्वीप के रूप में मान्यता प्राप्त** है।
- यह द्वीप **ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली की गतिशीलता का परिणाम** है, जो **नदी के बदलते मार्गों और चैनलों की विशेषता** है।
- यह द्वीप **ब्रह्मपुत्र नदी और उसकी सहायक नदियों से घिरा हुआ** है, जो एक अद्वितीय जलीय भू-आकृति का निर्माण करता है। **बील्स और चैपोरिस (आइलेट्स) के नाम से जानी जाने वाली आर्द्रभूमियाँ क्षेत्र** की पारिस्थितिकि विविधता में योगदान करती हैं।

वैष्णववाद क्या है?

- **परिचय:**
  - वैष्णववाद **हिंदू धर्म के भीतर एक प्रमुख भक्ति आंदोलन** है, साथ ही यह भगवान विष्णु एवं उनके विभिन्न अवतारों के प्रति गहरी भक्ति और प्रेम पर ज़ोर देता है।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **विष्णु की भक्ति:** वैष्णववाद का केंद्रीय ध्यान विष्णु के प्रति भक्ति है, जिन्हें सर्वोच्च प्राणी तथा ब्रह्मांड का पालनकर्त्ता माना जाता है। वैष्णव, विष्णु के साथ व्यक्तिगत संबंध में विश्वास करते हैं, देवता के प्रति प्रेम, श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करते हैं।
    - ऐसा माना जाता है कि ब्रह्मांडीय व्यवस्था एवं धार्मिकता को बहाल करने के लिये विष्णु ने विभिन्न रूपों में पृथ्वी पर अवतार लिया है, जिन्हें अवतार के रूप में जाना जाता है। राम और कृष्ण सहित लोकप्रिय अवतारों के साथ दस प्राथमिक अवतारों को सामूहिक रूप से दशावतार के रूप में जाना जाता है।
  - **दशावतार: विष्णु के दस अवतार** हैं: मत्स्य (मछली), कूर्म (कछुआ), वराह (सूअर), नरसिम्हा (आधा आदमी, आधा शेर), वामन (बौना), परशुराम (कुल्हाड़ी वाला योद्धा), राम (अयोध्या के राजकुमार), कृष्ण (दिव्य चरवाहा), बुद्ध (प्रबुद्ध) और कल्कि (सफेद घोड़े पर भविष्य के योद्धा)।
  - **भक्ति एवं मुक्ति:** वैष्णववाद **भक्ति के मार्ग पर ज़ोर** देता है, जिसमें **विष्णु के प्रति गहन भक्ति और प्रेम** शामिल है। कई वैष्णवों के लिये **अंतिम लक्ष्य जन्म और मृत्यु (संसार) के चक्र से मुक्ति (मोक्ष)** के साथ विष्णु के साथ मिलन है।
  - **विभिन्न प्रकार के संप्रदाय:** वैष्णववाद व्यक्तिगत आत्मा (जीव) और भगवान के बीच संबंधों की विभिन्न व्याख्याओं के साथ विभिन्न संप्रदायों एवं समूहों को शामिल करता है। कुछ संप्रदाय योग्य **अद्वैतवाद** (विशिष्टाद्वैत) पर ज़ोर देते हैं, जबकि अन्य **द्वैतवाद (द्वैत)** या **शुद्ध अद्वैतवाद (शुद्धाद्वैत)** का समर्थन करते हैं।
    - **श्रीवैष्णव संप्रदाय:** रामानुज की शिक्षाओं पर आधारित योग्य अद्वैतवाद पर ज़ोर देता है।
    - **माधव संप्रदाय:** माधव के दर्शन का अनुसरण करते हुए, ईश्वर और आत्मा के अलग-अलग अस्तित्व पर ज़ोर देते हुए, द्वैतवाद को स्वीकार करते हैं।
    - **पुष्टिमार्ग संप्रदाय:** वल्लभाचार्य की शिक्षाओं के अनुसार शुद्ध अद्वैतवाद को बनाए रखता है।
    - **गौड़ीय संप्रदाय:** चैतन्य द्वारा स्थापित, अकल्पनीय द्वैत एवं अद्वैत की शिक्षा देता है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने हैदराबाद में रामानुज की बैठी हुई मुद्रा वाली विश्व की दूसरी सबसे ऊँची प्रतिमा का उद्घाटन किया। निम्नलिखित में से कौन-सा कथन रामानुज की शिक्षाओं का सही प्रतिनिधित्व करता है? (2022)

(a) मुक्ति का सर्वोत्तम साधन भक्ति है।
(b) वेद शाश्वत, स्वयंभू और पूर्ण हैं।
(c) उच्चतम आनंद के लिये तार्किक तर्क आवश्यक साधन है।
(d) मोक्ष ध्यान के माध्यम से प्राप्त किया जाना था।

उत्तर: (a) 11वीं शताब्दी में तमिलनाडु में जन्मे रामानुज अलवर (विष्णु उपासक) से बहुत प्रभावित थे। उनके अनुसार मोक्ष प्राप्त करने का सर्वोत्तम साधन विष्णु की गहन भक्ति है। विष्णु अपनी कृपा से भक्त को अपने साथ मिलन का आनंद प्राप्त करने में मदद करते हैं। उन्होंने विशिष्टाद्वैत के सिद्धांत का प्रतिपादन किया जिसमें कहा गया है कि ईश्वर के साथ एकजुट होने पर भी आत्मा का अस्तित्त्व अलग बना रहता है।

रामानुज के सिद्धांत ने भक्ति की नई धारा को प्रेरित किया, जो बाद में उत्तर भारत में विकसित हुई।

अतः विकल्प (A) सही है।

?????:

प्रश्न. भक्ति साहित्य की प्रकृति और भारतीय संस्कृति में इसके योगदान का मूल्यांकन कीजिये। (150 शब्द)